रॉयल बुलेटिन
एक अखबार, सारा संसार (ONLINE NEWS)

चीफजस्टिसजगदीशसिंहकेहरबोले....जितनाबड़ाअपराधी, उसकीउतनीबड़ीपहुंच

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जगदीश सिंह केहर ने देश में अपराधियों और उनके रहनुमाओं के बुलंद हौंसले का जिक्र करते हुए आज कहा कि जो जितना बड़ा अपराधी है, उसकी उतनी बड़ी पहुंच होती है।
न्यायमूर्ति केहर ने बम विस्फोटों, तेजाब हमलों और बलात्कार की घटनाओं के शिकार लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए न्यायिक सेवा प्राधिकरणों से अपील की कि वे ऐसे लोगों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहें। किसी खास मुकदमे का नाम लिये बिना न्यायमूर्ति केहर ने कहा कि यहा तक कि पुनर्विचार याचिकाएं निरस्त होने के बाद भी आतंकवादियों को कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए बहुत सारे लोग आगे आते हैं, लेकिन बम विस्फोटों, तेजाब हमलों और अन्य घटनाओं के पीड़ितों के कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए कोई सामने नहीं आता। उनका इशारा 1993 के मुंबई बम विस्फोटों के दोषी याकूब मेमन की ओर थी, जिसकी फांसी की सजा पर रोक के लिए कई अधिवक्ता और सामाजिक संगठन सामने आये थे और रात में सुनवाई की गई थी।